>

Title: Regarding threat posed to coastal areas due to spillage of oil from the sunken ship MV Rak in Mumbai.

श्री गणेशराव नागोराव दूधगांवकर (परभणी): उपाध्यक्ष महोदय, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई को अपनी हिलोरों से भिगोने वाला अरब सागर समुद्री दुर्घटनाओं का केन्द्र बनता जा रहा है। पिछले डेढ़ साल में ऐसी आधा दर्जन से ज्यादा दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। ऐसी दुर्घटनाओं से मुंबई महानगर के साथ-साथ देश के लिए भी खतरा पैदा होने की संभावनाएं व्यक्त की जाने लगी हैं।

पिछले डेढ़ साल में मुंबई के इर्द-गिर्द दो तरह की समुद्री दुर्घटनाएं देखी जा सकती हैं। 23 मार्च, 2010 को भारतीय कोस्ट गार्ड के जहाज आईसीजीएस विवेक के साथ मर्चेंट नेवी के जहाज एमवी ग्लोबल प्यूरिटी की टक्कर हुई। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : जिन लोगों ने नाम लिखकर दिये हुए हैं, हम उन्हें बुला रहे हैं। आपने अपना नाम लिखकर नहीं दिया है, इसलिए आप बैठ जाइये।

श्री गणेशराव नागोराव दूधगांवकर : 7 अगस्त, 2010 को मर्चेंट नेवी के दो जहाज एमवी चित्रा एवं एमवीआई खलीजिया-3 की टक्कर से समुद्र में फैले तेल से मुम्बईवासियों को काफी परेशानी हुई। 31 जनवरी, 2011 को भारतीय नौसेना का एक जहाज साइप्रस देश के मर्चेन्ट नेवी के जहाज को टक्कर मारने के बाद विंध्यगिरी मुम्बई बंदरगाह के पास डूब गया। इसके अलावा 26 साल पुराने जहाज एमवी विजडम को तोड़ने के लिए श्रीलंका के बंदरगाह से खींचकर गुजरात ले जाया जा रहा था, परंतु बीच में ही यह खींचकर ला रहे जहाज से अलग हो गया।

यदि मुम्बई या देश में यह सब होता रहा तो यह देश की सुरक्षा के साथ-साथ जलीय जीव-जंतुओं एवं पर्यटकों के लिए भी खतरा है।

मेरी मांग है कि इन सबकी रोकथाम के लिए सरकार को उपयुक्त कदम उठाने की आवश्यकता है।

DR. MIRZA MEHBOOB BEG (ANANTNAG): Sir, a discussion was allowed and you only heard one side of the House. You please allow the other side to be heard...(*Interruptions*)